जल शक्ति मंत्रालय की राजस्थान व एमपी के साथ बैठक के बाद खुलासा

PKC-ERCP की डीपीआर 15 दिन में तैयार होगी, राजस्थान को 4102 एमसीएम पानी मिलेगा

जयपुर| संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी (रामजल सेतु) प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। इससे प्रदेश के 3.25 करोड़ लोगों को पेयजल मिलेगा, 4.03 लाख हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी। राजस्थान को 4102 एमसीएम पानी देने के लिए 15 दिन में डीपीआर बनेगी। दिल्ली में बुधवार को जल शक्ति मंत्रालय की राजस्थान व मध्यप्रदेश के जल संसाधन विभागों से बैठक के बाद यह खुलासा किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी व सीएम भजनलाल शर्मा द्वारा 17 दिसंबर 2024 को शिलान्यास के बाद इसमें तेजी आई है। प्रोजेक्ट से झालावाड़, कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, दौसा, करौली, धौलपुर, भरतपुर, डीग, अलवर, खैरथल-तिजारा, अजमेर, कोटपूतली-बहरोड़, बारां, जयपुर, अजमेर, ब्यावर जिलों को फायदा होगा। प्रोजेक्ट से पेयजल के लिए 1744, उद्योगों को 205.75, नए सिंचाई क्षेत्र को 1159.38, बांधों से सिंचाई को 615.43, भूजल पुनर्भरण के लिए 108, पानी स्टोरेज के लिए 270 एमसीएम पानी मिलेगा।

डीपीआर पर दोनों प्रदेश साथ काम करेंगे

दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी की अध्यक्षता में हुई बैठक में राजस्थान में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार शामिल हुए थे। केंद्रीय मंत्रालय ने दोनों राज्यों के अधिकारियों को आवश्यक संशोधन कर आगामी 15 दिवस में डीपीआर पेश करने को कहा है। डीपीआर बनाने का काम दोनों राज्य व राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण मिलकर कर रहे हैं।

270 MCM पानी स्टोर रहेगा

पीकेसी में 4102 एमसीएम पानी का प्रावधान है। इसमें 522 एमसीएम पुनर्जनित है। यानी 3580 एमसीएम पानी मिलेगा व 270 एमसीएम संकट के लिए स्टोर रहेगा। 3310 पानी उपयोग किया जा सकेगा। विभाग ने 39 साल की स्टडी कराई है।

यह फायदा मिलेगा...

- 17 जिलों के 3.25 करोड़ लोगों को पेयजल मिलेगा
- 4.03 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई हो सकेगी
- दिल्ली-मुंबई इंड. कॉरिडोर व अन्य उद्योग क्षेत्रों को पानी मिलेगा
- गांवों में ईको टूरिज्म बढ़ेगा।

पानी की चुनौती का स्थाई समाधान निकलेगा

पीकेसी पर हमारी सरकार तेजी से काम कर रही है। इससे राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल और सिंचाई की समस्या दूर हो जाएगी। यह राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थायी समाधान निकालने का एक बड़ा प्रयास है। **-भजनलाल शर्मा,** मुख्यमंत्री, राजस्थान

nwda.gov.in